2018 III 17 **1000** **Seat No. :** | | | | | |

Time : 2½ Hours **HINDI LANGUAGE II (New Pattern)**

Subject Code

H	4	2	4

Total No. of Questions : 8 **(Printed Pages : 4)** **Maximum Marks : 80**

*सूचनाएँ : I) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*
*II) **दायीं** ओर **दर्शायी** हुई संख्या प्रश्न के अंक दर्शाती है।*
III) प्रत्येक मुख्य प्रश्न का उत्तर नये पन्ने पर ही शुरु करें।
IV) प्रश्न क्रमांक और उप-प्रश्न क्रमांक स्पष्ट रूप से लिखिए।

1. क) निम्नलिखित कोष्ठकों में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द रिक्त स्थानों में भरकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए : **[2]**

अ) पंडित अलोपीदीन इलाके के सबसे _____ जमींदार थे।
(कठोर, जिम्मेदार, प्रतिष्ठित)

आ) मेरी बेटी को विदा न करके उन्होंने मेरा _____ किया है।
(सम्मान, अपमान, गौरव)

ख) कोष्ठकों में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द रिक्त स्थानों में भरकर निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को फिर से लिखिए : **[2]**

अ) चढ़ रही थी धूप _____ के दिन।
(गर्मियों, बरसात, सर्दियों)

आ) . . . और कुछ हो या न हो, _____ सी छाती तो है।
(धरती, सागर, आकाश)

ग) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : **[2]**

अ) संत कबीरदास के अनुसार किस पेड़ का बडप्पन व्यर्थ है ?

आ) श्रमिक महिला पत्थर पर किससे प्रहार कर रही थी ?

इ) 'वीर कर्ण ' कविता के कवि का नाम लिखिए।

घ) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अंत में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

भूमिति की अपेक्षा संस्कृत ने मुझे अधिक परेशान किया। यह विषय भी चौथी कक्षा में शुरु हुआ था। छठी कक्षा में मैं हारा, संस्कृत-शिक्षक बहुत कड़े मिजाज के थे। संस्कृत वर्ग और फ़ारसी वर्ग के बीच एक प्रकार की होड़ रहती थी। फ़ारसी सिखानेवाले मौलवी नरम मिजाज के थे। विद्यार्थी आपस में बात करते कि फ़ारसी तो बहुत आसान है और फ़ारसी -शिक्षक बहुत भले हैं। मैं भी आसान होने की बात सुनकर ललचाया और एक दिन फ़ारसी के वर्ग में जाकर बैठा। संस्कृत-शिक्षक को दु:ख हुआ। उन्होंने मुझे बुलाया और कहा, ''यह तो समझ कि त् किनका लड़का है ! क्या तू अपने धर्म की भाषा नहीं सीखेगा । ? तुझे जो कठिनाई हो, सो मुझे बता। मैं तो सब विद्यार्थियों को बढ़िया संस्कृत सिखाना चाहता हूँ। आगे चलकर उसमें रस के घूँट पीने को मिलेंगे। तुझे यों हारना नहीं चाहिए। तू फिर से मेरे वर्ग में बैठ।'' मैं शरमाया, शिक्षक के प्रेम की अवगणना न कर सका । आज मेरी आत्मा कृष्णशंकर मास्टर का उपकार मानती है।

प्रश्न :

1) गांधीजी के संस्कृत-शिक्षक का स्वभाव कैसा था ? **[1]**

2) फ़ारसी शिक्षक के बारे में विद्यार्थी क्या बातें करते थे ? **[1]**

3) गांधीजी की आत्मा आज किसका उपकार मानती है ? **[1]**

4) उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ? **[1]**

2. क) निम्नलिखित गद्य-अवतरणों में से किसी **एक** अवतरण का संदर्भ सहित स्पष्टीकरण कीजिए : **[4]**

अ) ''वह सर्वत्र है। वह इस भवन में है। वह महाराज के सिंहासन में है।''

आ) ''अब तो अस्सी पार कर लिया, अब क्या ! पके आम हैं, कभी भी टपक जाएँ।''

ख) निम्नलिखित पद्य-अवतरणों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **[4]**

अ) रावनु रथी बिरथ रघुबीरा। देखि बिभीषन भयउ अधीरा।।
अधिक प्रीति मन भा संदेहा। बंदि चरन कह सहित सनेहा।।

आ) बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सौंह करैं भौंहनु हँसै, दैन कहैं नटि जाइ।।

ग) निम्नलिखित पद्य-अवतरणों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **[4]**

अ) लोग उन्हें देखकर हँसते हैं,
मुँह बनाते हैं, सीटियाँ बजाते हैं,
उदास हो जाते हैं,

आ) इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है,
नाव जर्जर ही सही, लहरों से टकराती तो है।

3. क) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : **[6]**
(प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **40** से **45** शब्दों में हो)
अ) पंडित परमसुख ने 'प्रायश्चित' का क्या विधान बताया ?
आ) रेलवे क्वार्टर का कमरा छोड़ते समय गजाधर बाबू दु:खी क्यों थे ?
इ) दर्जी ने नेता के लिबास के बारे में क्या कहा ?

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए : **[4]**
(प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **20** से **25** शब्दों में हो)
अ) बचपन वापस लौट आया ऐसा माँ को क्यों लगता है ?
आ) शल्य के कटु वचनों का कर्ण ने क्या उत्तर दिया ?
इ) 'उदासी' कविता के माध्यम से कवयित्री कौनसा संदेश देना चाहती है ?

4. क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** के विशेषण रूप लिखिए : **[3]**
सरकार, दिन, समझ, दया

ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** की भाववाचक संज्ञाएँ लिखिए : **[3]**
पढ़ना, दुर्बल, इन्सान, अकेला

ग) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** के रूप उपसर्ग लगाकर बदलिए : **[2]**
गुण, पुत्र, वाद

घ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** के विरुद्धार्थी रूप लिखिए : **[2]**
योग्य, हाजिर, नया

5. क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : **[2]**
अ) जगह-जगह चिट्ठी के टुकड़े चिपके था।
आ) यह खबर चारों तरफ आग की तरह फैल गया।

ख) निम्नलिखित कोष्ठकों में दी गई संज्ञाओं का उचित कारक रूप रिक्त स्थानों में भरकर वाक्यों को फिर से लिखिए : **[2]**
अ) गाडियों की एक लंबी कतार _____ पार जाती देखी। (पुल)
आ) लोहिया सभागार में आए और _____ बैठ गये।(मंच)

ग) निम्नलिखित कोष्ठकों में दी गई सूचनाओं के अनुसार किन्हीं **दो** वाक्यों के काल-परिवर्तन कीजिए : **[2]**
अ) पंडित अलोपीदीन मुस्कुराते हुए अदालत से बहर निकले। (पूर्ण भूतकाल)
आ) गजाधर बाबू चलने को तैयार बैठे थे। (सामान्य भविष्यकाल)
इ) मुझे उस दिन की याद आती हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

घ) निम्नलिखित किन्हीं **दो** मुहावरों का अर्थ लिखकर सार्थक वाक्यों में प्रयोग कीजिए : **[4]**
अ) पौ बारह होना आ) नाक भौं सिकुड़ना इ) प्राण न्योछावर करना

6. क) 'स्कूटर या मोटर साईकल चलाते वक्त शिरस्त्राण (हॅल्मेट) पहनना जरूरी है' इस विषय पर **दो** विद्यार्थी, अमन और यश के बीच हुआ संवाद लगभग **15 –20** वाक्यों में लिखिए। **[5]**

ख) आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय, पणजी गोवा में आयोजित की गई अखिल गोवा देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता पर लगभग **70 – 75** शब्दों में प्रतिवेदन लिखिए : **[5]**

7. क) विनय/ विनीता सावंत, नगरगांव वाळपई – सत्तरी गोवा से संचालक, भारत गैस सेवा, मुख्य कार्यालय वाळपई – सत्तरी गोवा को अनियमित गैस सिलिंडर वितरण की शिकायत करने हुए पत्र लिखता / लिखती है। **[5]**

ख) निम्नलिखित गद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़कर अंत में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

उन दिनों अमेरिका के शिकागो नगर में एक विश्व–धर्म सभा हो रही थी। तभी स्वामी विवेकानंद ने वहाँ जाने का निश्चय किया, क्यों कि वे भारतीय धर्म और संस्कृति से विश्व के लोगों को अवगत कराना चाहते थे। स्वामीजी के कुछ शिष्यों ने उनकी यात्रा का प्रबंध कर दिया। यात्रा का प्रबंध शीघ्रता में हुआ था। इस कारण उनके पास न तो पर्याप्त वस्त्र थे और न ही पर्याप्त धन। वहाँ पहुचने पर अमेरिका की भीषण सर्दी ने स्वामीजी जैसे दृढ़ व्यक्ति को भी हिला दिया। इसके अलावा स्वामीजी पर एक अन्य विपत्ति भी आ पडी कि विश्व–धर्म सभा में परिचय–पत्र के बिना प्रवेश नहीं हो सकता था। तभी दैवी सहायता के रूप, उनका परिचय हारवर्ड विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर से हो गया। वह स्वामीजी से इतना प्रभावित हुआ कि उसने अपना परिचय–पत्र उन्हें दे दिया और उनके आवास का भी प्रबंध करा दिया। विश्व धर्म के अधिवेशन में स्वामीजी के प्रथम वाक्य 'मेरे अमेरिका के भाइयों और बहनों' ने समस्त श्रोताओं का मन मोह लिया। अंत में स्वामीजी विश्व–धर्म सभा के सर्वश्रेष्ठ वक्ता माने गए।

प्रश्न :

1) स्वामी विवेकानंद ने शिकागो जाने का निश्चय क्यों किया ? **[1]**
2) अमेरिका में स्वामीजी पर कौन–सी अन्य विपत्ति आ पडी ? **[1]**
3) अमेरिका में स्वामीजी का परिचय किनके साथ हो जाता है ? **[1]**
4) स्वामीजी ने अमेरिका वासियों का मन कैसे मोह लिया ? **[1]**
5) उपर्युक्त गद्यखंड के लिए उचित शीर्षक दीजिए। **[1]**

8. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **200** शब्दों में निबंध लिखिए : **[8]**

अ) कितना बदल रहा है 'गोवा'! आ) खेलकूद का जीवन में योगदान!

इ) आज के बढ़ते वृद्धाश्रम। ई) किसान की आत्मकथा।

———————